# केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज पुणे, महाराष्ट्र में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल जी को 'लोकमान्य तिलक नेशनल अवार्ड 2026' से सम्मानित किया

भारत अब राष्ट्रचेतना के महान जागरणकर्ता लोकमान्य तिलक जी के दिखाए सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मार्ग पर चल पड़ा है, अब कोई चाहकर भी इसे रोक नहीं सकता

स्वराज इस देश की जनता को कोई देने वाला नहीं, यह जनता का अधिकार है – पुणेरी पगड़ी में तिलक महाराज ने जब यह कहा होगा, वह पल कितना दैदीप्यमान रहा होगा

तिलक महाराज का जीवन, उनके कथन और लेखनी आज के युवाओं को पढ़कर प्रेरणा लेनी चाहिए

गीता को तिलक महाराज की दृष्टि से पढ़िए, आप जीवन में कभी गलती नहीं करेंगे

अजीत डोभाल जी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना देश के लिए जीने और काम करने वाले हर क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक बहुत बड़ा प्रेरणास्रोत बनेगा

सबसे लंबे समय तक NSA के पद पर रहने वाले अजीत डोभाल जी का जीवन राष्ट्रसेवा और देश की सुरक्षा के प्रति समर्पण का उदाहरण है

मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को अधिक सशक्त बनाने में अजीत डोभाल जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही

मोदी सरकार में मल्टी एजेंसी सेंटर (MAC) देश की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ की हड्डी बना है, और MAC की मजबूत नींव डालने का काम इसके संस्थापक अध्यक्ष के रूप में श्री अजीत डोभाल जी ने किया

## मोदी जी के नेतृत्व में सेना में तकनीक और वीरता का फ्यूजन कर उसकी मारक क्षमता को बढ़ाया गया, इसमें अजीत डोभाल जी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा

## मोदी जी के कार्यकाल का जब इतिहास लिखा जाएगा और देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा की मीमांसा होगी, उसमें अजीत डोभाल जी के योगदान के बारे में एक स्वर्णिम अध्याय शामिल होगा

## केन्द्रीय गृह मंत्री ने अण्णाभाऊ साठे जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

प्रविष्टि तिथि: 01 AUG 2026 4:51PM by PIB Delhi

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज पुणे, महाराष्ट्र में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल को 'लोकमान्य तिलक नेशनल अवार्ड 2026' से सम्मानित किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने अण्णाभाऊ साठे जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे और श्रीमती सुनेत्रा पवार और केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी की 106वीं पुण्यतिथि है। उन्होंने कहा कि तिलक महाराज ने स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा और अर्थ देने के लिए "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा" मंत्र दिया था। हमारा शासन, भाषा, संस्कृति और हमारा धर्म जब प्रस्थापित होता है, तभी पूर्ण स्वराज की प्राप्ति होती है। तिलक महाराज ने स्वराज और स्वतंत्रता के आंदोलन के साथ जनता को जोड़ने का काम किया। श्री शाह ने कहा कि तिलक

महाराज ने स्वतंत्रता आंदोलन में एक नए प्रकार के राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को जन्म दिया। तिलक महाराज ने भविष्य में देश के चलने की दिशा भी तय कर दी और कहा कि यह देश जब भी आजाद होगा इसी रास्ते पर चलेगा। आज हमारा देश सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रास्ते पर चल पड़ा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि तिलक महाराज एक शिक्षक और प्रखर पत्रकार थे। उन्होंने एक बहुत बड़े चिंतक के रूप में भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति दुनिया के सामने करने का काम कर करोड़ों लोगों के हृदय के अंदर स्वराज का मंत्र प्रज्ज्वलित किया। एक युग पुरुष, महान शिक्षक, निर्भीक पत्रकार, चिंतक और कर्मयोगी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के समान पूरे स्वतंत्रता संग्राम में कोई नहीं था।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तिलक महाराज ने हम सबके सामने भगवत गीता का व्यवहार स्वरूप रखने का काम किया। उन्होंने उस जमाने में न्यू इंग्लिश स्कूल, डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी और फर्ग्यूसन कॉलेज तक पूरे शिक्षा चक्र की व्यवस्था पुणे में की। तिलक महाराज ने यह मंत्र दिया कि बुद्धि को ज्ञान देना ही शिक्षा का काम है। उन्होंने कहा कि अंग्रेज अगर किसी अखबार से डरते थे तो केसरी और द मराठा से डरते थे। तिलक महाराज ने पहली बार ये प्रस्थापित किया था कि राष्ट्र की चेतना को जगाए बगैर स्वतंत्रता अगर मिलती भी है तो उस स्वतंत्रता का कोई मूल्य नहीं है। तिलक महाराज ने कहा था कि संगठन और जनशक्ति के बिना राष्ट्र शक्ति कभी निर्मित नहीं हो सकती। उन्होंने कई प्रकार के उत्सवों के माध्यम से न केवल महाराष्ट्र बल्कि देशभर की जनता को संगठित करने का काम किया। श्री शाह ने कहा कि आत्मनिर्भरता, अनुशासन, देश और हमारे संविधान के प्रति कर्तव्यभाव भी स्वराज का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि तिलक महाराज का जीवन, कथन और लेखनी आज के युवा और किशोरों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज श्रीमान अजीत डोभाल जी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार कोई तमगा नहीं बल्कि लोगों को प्रेरणा देने और बड़े लोगों के काम को एकनॉलेज करने की एक पद्धति है। कोई व्यक्ति जब समाज के किसी भी क्षेत्र में बहुत बड़ा काम करता है, तब वह व्यक्ति नहीं रह जाता बल्कि बहुत आगे निकल जाता है। समाज का उत्तरदायित्व है कि ऐसे व्यक्तियों का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि इससे समाज के कर्तव्य भाव का निर्वहन तो होता ही है साथ ही लोगों को ऐसे व्यक्तित्व की तरह जीने की प्रेरणा भी मिलती है। श्री अजीत डोभाल जी को आज तिलक पुरस्कार मिलना इस देश के लिए जीने वाले और काम करने वाले हर क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक बहुत बड़ा प्रेरणास्रोत बनेगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि जब श्री नरेन्द्र मोदी जी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब वहां सीरियल बम धमाके हुए थे और उस वक्त श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था कि न सिर्फ इन बम धमाकों बल्कि इनमें शामिल लोगों और देशभर में जितने बम धमाके हुए हैं, उनकी जांच गुजरात पुलिस को करनी चाहिए। श्री शाह ने कहा कि उस वक्त मोदी जी ने कहा था कि श्री अजीत डोभाल जी को बुलाकर गुजरात पुलिस उनके साथ मिलकर यह जांच करे। उन्होंने कहा कि इसका परिणाम यह था कि न केवल अहमदाबाद बम धमाके बल्कि देशभर में हुए 13 बम धमाकों को एक साथ गुजरात पुलिस ने हल किया।

श्री अमित शाह ने कहा कि जब भी श्री नरेन्द्र मोदी जी के कालखंड का इतिहास लिखा जाएगा और देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा की मीमांसा होगी, तब श्री अजीत डोभाल जी के योगदान के बारे में निश्चित रूप से एक स्वर्णिम अध्याय उसमें शामिल होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत की विदेश नीति बेहद मज़बूत हुई है और हमने सम्मान के साथ दुनिया में अपना स्थान मजबूत किया है। मोदी सरकार की इस उपलब्धि में भी अजीत डोभाल जी का बहुत बड़ा योगदान है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 1972 से लेकर आसूचना ब्यूरो के निदेशक बनने तक आईबी के एक सतत ऑफिसर के रूप में श्री डोभाल ने देश के सामने आने वाली हर चुनौती को हल करने में अपना सक्रिय योगदान दिया। श्री डोभाल ने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू कश्मीर, पंजाब, पाकिस्तान में रहकर एक अद्‌भुत योगदान देने का काम किया है जिसका चित्रांकन और मूल्यांकन संभव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में भी श्री अजीत डोभाल जी ने 6 साल तक और बड़े crucial समय में काम किया।

श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 2019 के बाद Multi Agency Centre (MAC) को मज़बूत करने का काम किया जो आज देश की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि श्री अजीत डोभाल जी ने ही MAC की एक मजबूत नींव रखने का काम किया। श्री शाह ने कहा कि 2014 में जब श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने तब उन्होंने श्री अजीत डोभाल जी को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया। श्री डोभाल जी को सबसे लंबे समय तक देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहने का सम्मान भी प्राप्त है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कई दृष्टि से भारत की सेना को आधुनिक बनाने, समसामयिक परिवर्तन करने, सेना के अंदर तकनीक और वीरता की अद्‌भुत फाइन ट्यूनिंग करने जैसे कई बड़े फैसले श्री अजीत डोभाल जी के कार्यकाल में लिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के फैसलों के पीछे श्री डोभाल के बहुत लंबे अनुभव वाली सलाह भी होती है। श्री शाह ने कहा कि पिछले 12 साल में प्रधानमंत्री मोदी जी ने भारतीय सेनाओं की सुरक्षा करने और आक्रमण करने की क्षमता में आमूलचूल परिवर्तन करने का काम किया है और इसमें श्री अजीत डोभाल जी का बहुत बड़ा योगदान है।

******

**आरके / आरआर / पीआर**

(रिलीज़ आईडी: 2292996) आगंतुक पटल : 156
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English